महेश्वर परियोजना के खिलाफ मण्डलेश्वर में विशाल रैली
संघर्ष का संकल्प

नर्मदा नदी पर निर्माणाधीन महेश्वर पनबिजली परियोजना से प्रभावित लोगों ने 16 मार्च 2008 को मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के मण्डलेश्वर में एक विशाल जनचेतना एवं चेतावनी रैली आयोजित करके सरकार को चेतावनी दी। नर्मदा बचाओ आन्दोलन (न.ब.आ.) के प्रवक्ता के अनुसार इस जनचेतना एवं चेतावनी रैली में 12000 से ज्यादा परियोजना प्रभावित लोगों के साथ–साथ नर्मदा घाटी के अन्य बांधो से प्रभावित प्रतिनिधियों के अलावा देश भर के जाने–माने लोगों एवं संगठनों ने भी हिस्सा लिया। इस रैली के माध्यम से महेश्वर परियोजना के बारे में गंभीर सवाल उठाये गये और साथ ही परियोजना पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की गई।

रैली में महेश्वर बांध से प्रभावित महिला, पुरूष, बच्चे, किसान, मजदूर, नाविक और मछुआरे सहित ओंकारेश्वर, इंदिरा सागर, सरदार सरोवर, मान, अपर वेदा, तवा एवं बरगी बांध के प्रभावित प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। रैली में शामिल लोगों ने सरकार एवं परियोजनाकारों को चेताया कि वे लोगों को पुनर्वास करने से बचने के लिए लोगों को सीधे जमीन खरीदने पर बाध्य करने से बाज आए। ऐसा करना गैर कानूनी है और लोगों के अधिकारों का हनन भी है। रैली मण्डलेश्वर नगर में सड़कों से गुजरते हुए नर्मदा घाट पर पहुंचकर विशाल जनसभा में तब्दील हो गई। वहां पर प्रभावितों ने अपने हक की लड़ाई को अंतिम दम तक लड़ने का संकल्प लिया।

रैली को सम्बोधित करते हुए न.ब.आ. के आलोक अग्रवाल ने चुनौती दी कि लोगों को विकास के नाम पर विस्थापित करने से पहले सरकार परियोजना की व्यवहार्यता को साबित करे। उन्होंने दावा किया कि इस परियोजना से बहुत ही कम बिजली पैदा होगी और उसकी भी लगात काफी ज्यादा आएगी। परियोजना के लिए कम्पनी एवं सरकार के बीच हुए समझौते को पालन करने में सरकार दिवालिया हो सकती है। इसलिए सबसे पहले परियोजना के बारे में सरकार को एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए।

प्रभावित गांवों के प्रतिनिधियों सुशीला बाई, राधेश्याम पाटीदार, राधेश्याम वर्मा, जगदीश वर्मा एवं करवी बाई ने कहा कि उन्हें अभी तक नहीं मालूम कि वास्तव में कितना इलाका डूब में आएगा। अंदेशा है कि बांध के बैकवाटर से काफी बड़ा इलाका प्रभावित होगा। उन लोगों ने सरकार एवं कम्पनी के लोगों को चेताया कि वे इस विनाश को स्वीकार नहीं करेंगे।

बांधों से प्रभावित लोगों के अलावा देश भर के जाने–माने लोगों एवं संगठनों में प्रमुख रूप से मैग्सेसे पुरस्कार प्राप्त संदीप पांडेय, सर्व सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुगन बरंठ, शिक्षाविद डा. अनिल सदगोपाल, महाराष्ट्र सर्वोदय मंडल के श्री बागड़े, साझा मंच के दुनु राय, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल त्रिवेदी, वरिष्ठ पत्रकार चिन्मय मिश्र आदि लोगों ने रैली में शामिल होकर लोगों को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहते हुए उसे हासिल करने के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया। इसके अलावा रैली में किसान आदिवासी संगठन, अभिव्यक्ति (नासिक), युवा भारत, मंथन अध्ययन केन्द्र सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

सार्वजनिक सभा के बाद लोगों ने राज्य सरकार को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें मांग की गई कि महेश्वर बांध में जारी काम को तत्काल रोका जाय और परियोजना से पैदा होने वाली बिजली की कीमत के बारे में श्वेत पत्र जारी किया जाय, नर्मदा नदी एवं उसकी सहायक नदियों के प्रवाह के आधार पर केन्द्रीय जल आयोग द्वारा बैकवाटर का सर्वेक्षण कराया जाय, क्षेत्र के किसानों व मजदूरों की भूमि हकदारी के आधार पर व्यापक पुनर्वास योजना तैयार करके गांववासियों को उपलब्ध कराया जाय और परियोजना प्रस्तावकों द्वारा किये गये वित्तीय अनियमितता की जांच करके दोषियों को सजा दी जाय।

(न.ब.आ. की प्रेस विज्ञप्ति का संक्षिप्त अनुवाद)